प्रेस विज्ञप्ति

आज किंग किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रवि कांत जी द्वारा सेल्बी हाल में यू0पी0पी0जी0एम0ई0 2016 के प्रवेश प्रक्रिया के विरोध में में हड़ताल पर गये चिकित्सा छात्रों यथाः जूनियर रेजीडेण्ट-2, इण्टर्न, तथा अण्डरग्रेजुएट चिकित्सा छात्रों को सम्बंधित किया गया। मा0 कुलपति जी द्वारा किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में उपचार हेतु आने वालें प्रदेश की गरीब जनता के चिकित्सीय हितों के दृष्टिगत उन सभी चिकित्सा छात्रों, इण्टर्न से हड़ताल त्याग कर अपने कार्य पर वापस आने की अपील की गयी। इसके साथ ही साथ मा0 कुलपति जी द्वारा हड़ताली चिकित्सा छात्रों को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की तरफ सेयह विश्वास भी दिलाया गया कि नैसर्गिक न्याय की दृष्टि से उनके हितों की रक्षा हेतु यू0पी0पी0जी0एम0ई0ई0 के प्रकरण में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा इस संदर्भ में सुसंगत तथ्यों सहित मा0 उच्चतम न्यायालय में अपील किये जाने हेतु कार्यवाही की जायेगी तथा चिकित्सा छात्रों को मा0 उच्चतम न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखने हेतु यथासम्भव हर प्रयास किया जायेगा। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय उनके हितों की रक्षा हेतु नियमानुसार हर सम्भव प्रयास करने हेतु तत्पर है। इस संदर्भ में आज चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 रवि कांत जी द्वारा हड़ताली चिकित्सा छात्रों के कार्य पर वापस आने हेतु एक अपील पत्र भी निर्गत किया गया है।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में जूनियर रेजीडेण्ट-2, इण्टर्न तथा अण्डरग्रेजुएट चिकित्सा छात्रों को छोड़कर जूनियर रेजीडेण्ट-3, सीनियर रेजीडेण्ट, चीफ रेजीडेण्ट तथा संकाय सदस्यों द्वारा पूर्व की भॉति यथावत अपने क्लीनिकल, शोध तथा शैक्षणिक दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है। चिकित्सा विश्वविद्यालय के सर्जिकल विभागों में ऑपरेशन थियेटर नियमित रूप से चलते रहे। आउटडोर, पैथोलोजिकल सेवाएं, इण्डोर तथा इमरजेंसी सेवाए पूर्णतः संचालित हो रही है। चिकित्सा विश्वविद्यालय के चिकित्सालयों तथा आकस्मिक रोगी विभाग एवं ट्रामा सेण्टर में मरीजों को भर्ती कर उन्हें उपचार प्रदान किया जा रहा है। आप सभी मिडिया मित्रों से अनुरोध है कि किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में चिकित्सीय सेवाओं में किसी प्रकार के व्यवधान सम्बंधी किसी अफवाह पर ध्यान न दें। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में सभी चिकित्सीय सेवाएं यथावत् चल रही है।